

शेर पुं. (फा.) 1. व्याघ्र, पशुओं का राजा 2. लाक्ष. अत्यन्त निडर, निर्भीक, वीर, साहसी पुरुष 3. उग्र, तीव्र मुहा. शेर की माँद में घुसना/शेर की माँद में हाथ डालना- खतरनाक काम करना 4. उर्दू, फारसी की कविता के दो चरणों का समूह, एक पद्य 5. गजल के दो चरण।

शेर अफगान वि. (फा.) शेर को पराजित करने वाला, पछाड़ने वाला।

शेर दरवाजा पुं. (तत्.) 1. सिंह-द्वार, बड़ा द्वार 2. ऐसा बड़ा दरवाजा जिसके दोनों ओर सिंह की प्रतिमाएँ बनी हैं।

शेर दिल वि. (फा.) 1. सिंह की तरह के हृदय वाला, साहसी और वीर।

शेर पंजा पुं. (फा.) शेर के पंजों के आकर का एक अस्त्र, बघनखाँ।

शेर बच्चा पुं. (फा.) 1. वीर या पराक्रमी बच्चा या व्यक्ति 2. निडर बच्चा या व्यक्ति 3. शेर का बच्चा, सिंह, शेर 4. पुरानी प्रचलित एक छोटी बंदूक।

शेर-दहाँ वि. (फा.) शेरमुहाँ, जिसका मुख या आगे का भाग शेर की आकृति वाला हो जैसे- शेर मुहाँ मकान, शेर मुही दुकान 2. जिसका आगे का भाग या हिस्सा चौड़ा हो और पिछला भाग बहुत कम चौड़ा हो।

शेरपा वि. (फा.) 1. चीता, बाघ 2. ऊँची पहाड़ियों या पहाड़ों पर चढ़ने में अभ्यस्त मजदूर 3. हिमालय पर चढ़ने वाला मजदूर, मेहनतकश व्यक्ति।

शेर-बबर वि. (फा.) सिंह, केसरी।

शेर मर्द पुं. (फा.) 1. अत्यधिक पराक्रमी, वीर, निडर व्यक्ति 2. शेर जैसी मर्दानगी वाला।

शेरवानी स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की मुसलमानी पोशाक 2. एक प्रकार का लंबा कोट।

शेरो सुखन वि. (फा.) काव्य, साहित्य।

शेल पुं. (देश.) 1. शल्य, बरछी 2. हिलना-डुलना 3. काँपना टि. इसका प्रयोग प्रायः काव्य में

मिलता है उदा. 'शतशेल संवरण सील नील नभ गर्जि स्वर' -निराला भूवि. सूक्ष्म कणों वाला अपरदी, अवसादी, शैल जो शिष्ट और मृत्तिका प्रमाप के कणों का बना होता है, सख्त बन गई मिट्टी या कीचड़ जो पत-पत टूटती है, शेल मिट्टी की शिला, कोमल शिला।

शेलुक पुं. (तत्.) बेर से छोटे आकार का एक गोलाकार लेसदार फल जो प्रायः अचार बनाने के काम आता है, लिसोड़ा, बनमेथी 3. लोध।

शेलुका स्त्री. (तत्.) बनमेथी।

शेल्व पुं. (अं.) 1. अलमारी का तख्ता या पट्टी 2. निधानी। shelf

शेव पुं. (तत्.) 1. ऊँचाई, उत्तुंगता 2. नाम, सर्प 3. लिंग 4. निधि, संपत्ति 5. आनंद।

शेवलिनी स्त्री. (तत्.) 1. शैवाल उत्पन्न करने वाली, नदी (खास कर सेवार वाली नदी)।

शेवा पुं. (फा.) तौर-तरीका, ढंग स्त्री. लिंग का रूप अथवा लिंग।

शेवाल पुं. (तत्.) मोथे की भाँति हरे रंग का एक विशिष्ट घासनुमा पदार्थ जो प्रायः पानी के बीच में उग जाता है, एक विशेष प्रकार का घास-नुमा पौधा, शैवाल, सेवार।

शेवाली स्त्री. (तत्.) एक औषधीय वनस्पति, एक प्रकार की जटामासी, बालछड़।

शेष वि. (तत्.) 1. बाकी, बचा हुआ, अन्य सब, अवशिष्ट 2. उच्छिष्ट, छोड़ा हुआ 3. समाप्त पुं. 1. स्वीकृत वस्तु से अतिरिक्त वस्तु 2. काम की चीज के अलावा बची चीज 3. छोड़ी हुई कोई बात 4. एक विख्यात नाग का नाम 5. बलराम 6. लक्ष्मण 7. अनंत गणि. 1. भाज्य को भाजक द्वारा पूरा-पूरा विभाजित न कर पाने की स्थिति में भाग के बाद बचने वाली राशि 2. किसी बड़ी संख्या में से किसी छोटी संख्या को घटाने के पश्चात बची संख्या।

शेष जाति स्त्री. (तत्.) शेष को मिलाने, तुलना करने का कार्य।

शेषधर पुं. (तत्.) शेष (नाग) को धारण करने वाला, शिव।